RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : मंगलवार 14 नवंबर 2023 वर्ष 05 अंक 203 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

एनसीबी ने किया बड़े ड्रग सिंडिकेट का पदार्फाश!

तंजानिया की महिला दिल्ली से गिरफ्तार

2 किलो कोकीन मुंबई के एक होटल से बरामद...

मुंबई : एनसीबी ने ड्रग तस्करी के एक बड़े सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। मिली जानकारी के अनुसार ये सिंडिकेट मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु और गोवा में काम करता था। इस सिंडिकेट में विदेशी महिलाओं का भी समावेश है। जो त्योहार के सीजन में ड्रग तस्करी की बड़ी खेप को डिस्ट्रीब्यूट करने की फिराक में थे।

एनसीबी को इस तस्करी की गोपनीय जानकारी मिली थी। एनसीबी ने तंजानिया की महिला समेत दो को गिरफ्तार किया है।

बैग लेयर से मिला ड्रग

एनसीबी को मिली सूचना के आधार पर उसने मुंबई के इस तथाकथित होटल में सादी वर्दी में अपने लोगों को नजर रखने के लिए लगा रखा था। एनसीबी को जैसे ही संदेहास्पद व्यक्ति एल ए गिलमोर के होटल में घुसने की जानकारी मिली। पुलिस ने उससे तफ्तीश शुरू कर दी। मजेदार बात तो ये थी कि शुरूआत में उसके पास से उसके सामान और कमरे से कुछ भी संदेहास्पद समान नहीं मिला। आखिरकार पुलिस की निगाह उसके बैग पर गई। जब उसकी गहराई से छानबीन की गई तो उसके लेयर में दो पैकेट ड्रग के बरामद किए गए। आरोपी 9 नवंबर को मुंबई आया था। उसके पहले वो जंबियन और कई देशों में ड्रग की तस्करी के सिलसिले में यात्रा कर चुका है।

दरअसल आरोपी किसी एक बड़े हैंडलर के जरिए निर्देशित किया जा रहा था। जब एनसीबी को दिल्ली मॉड्यूल की जानकारी मिली तो उनकी दिल्ली की टीम भी एक्टिव हो गई। दिल्ली यूनिट ने अपनी छानबीन और तफ्तीश में तंजानिया मूल की एक विदेशी महिला एम आर एगस्टिनो को पकड़ लिया। इस महिला को पहले आरोपी से ड्रग की खेप रिसीव करनी थी। आखिरकार इसे भी 11 नवंबर को गिरफ्तार कर लिया गया। दोनो गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। एनसीबी से मिली जानकारी के अनुसार त्योहार के मौसम में ड्रग की मांग और खपत बढ़ जाती है।

बांग्लादेशी नोट से पहचान के बाद आरोपी गिरफ्तार

अवैध तरीके से पहुंचे थे मुंबई

मुंबई : नौकारी की तलाश में मुंबई पहुंचे दो बांग्लादेशियों को कालाचौकी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जिन दो बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया गया है वो अवैध तरीके से भारत में राह रहे थे। 10 नवंबर को अवैध तरीके से मुंबई पहुंचे थे और नौकरी की तलाश में थे। इससे पहले कि कहीं अपनी पहचान छिपाकर रहते पुलिस ने उनलोगों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक आरोपी बांग्लादेश से छिपकर भारत में आये और फिर पश्चिम बंगाल से ट्रेन से आरोपी मुंबई पहुंचे थे। लेकिन पुलिस को बांग्लादेशियों के यहां होने की जानकारी मिल गई थी। जैसे ही पुलिस को आरोपी दिखा दोनों को हिरासत में ले लिया गया। इसके बाद उनके भारतीय होने के सबूत मांगे गए। उनके पास कोई भी सबूत भारतीय होने का नहीं मिला। इस वजह से उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

बांग्लादेशी नोट हुआ बरामद...

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मामले में मो नूर इस्माइल मिया (21) और अली अबुल मियां (24) है। आरोपियों के पास से पुलिस को बांग्लादेश का एक हजार रुपये का दो नोट मिला है। इसीसे पुलिस को पता चल गया कि आरोपी बांग्लादेशी है। फिलहाल पूरे मामले की जांच पुलिस द्वारा की जा रही है।

मुंबई में रात 10 बजे के बाद पटाखा जलाने वालों पर गिरी गाज...

784 एफआईआर, 734 लोगों पर जुमार्ना...

मुंबई : मुंबई में बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश के बाद दिवाली पर देर रात तक पटाखा फोड़े जाने के मामले में अब पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है. पुलिस की ओर से अब तक 784 मामले दर्ज करते हुए 806 लोगों पर कार्रवाई की गई है, जबकि 734 लोगों को जुमार्ना लगाया गया है. इसके साथ-साथ पुलिस सीसीटीवी के जरिए देर रात तक पटाखा फोड़ने वाले अन्य लोगों की भी पहचान कर रही है. दरअसल, दिवाली से पहले मुंबई में बढ़ते वायु प्रदूषण को देखते हुए बॉम्बे हाई कोर्ट ने एक जनहित याचिका के मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए सुनवाई की थी. हाई कोर्ट ने 12 तारीख को रात 8 बजे 10 बजे तक ही पटाखा फोड़ने की अनुमति दी थी, लेकिन शहर में दिवाली पर देर रात तक पटाखे फोड़े गए. हाई कोर्ट के आदेश का पालन नहीं होने पर पुलिस अब नियमों का उल्लंघन करने वाले लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ केस दर्ज कर रही है और जुमार्ना भी लगा रही है.

आठ महीनों में शहर में कचरे की आई 8445 शिकायत...

मुख्यमंत्री की स्वच्छता अभियान से हो रही सफाई

मुंबई : शहर में पड़े इधर उधर कचरे को साफ करने के लिए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आठ माह पूर्व मनपा आयुक्त को एक अभियान छेड़ने का निर्देश दिया था जिसके तहत मुंबई में पड़े कचरे की लोगो को शिकायत करने के लिए मनपा आयुक्त इकबाल सिंह चहल ने सुविधा उपलब्ध कराई।

आयुक्त ने व्हाटशॉप नंबर जारी कर लोगो से अपील करते हुए कहा था कि अपने आस पास कचरा दिखाई दे इस नंबर पर शिकायत करे। जून महीने में शुरू हुई इस योजना में अब तक 8445 शिकायत लोगो ने व्हाटशॉप नंबर पर की। जिसमे

6486 शिकायत कचरे को लेकर थी। और 2000 शिकायत डेब्रीज को लेकर थी। मनपा अधिकारियो की माने तो लोग जागरूक हो रहे है और कचरा होने पर शिकायत कर रहे है।।

दीपावली में प्रदूषण रोकने के लिए कचरा जलाने की भी शिकायत

मुंबई में प्रदूषण फैलने के बाद मनपा आयुक्त व्हाटशॉप नंबर का उपयोग कचरा जलाने की भी शिकायत करने की अपील की।जिसको लेकर लोगो पिछले तीन दिनों में। 23 शिकायत की है।कचरा जलाने से प्रदूषण अधिक होता है इस पर लगाम लगेगी। मनपा के एक अधिकारी ने बताया कि कचरा ज्यादातर गलत जानकारी वाले लोग जलाते हैं। अधिकारी ने कहा, ''ये वे लोग हैं जिन्हें खुले में कूड़ा जलाने के खतरों के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं है।'' इस हेल्पलाइन पर कचरा और डेब्रीज की शिकायतों के अलावा अन्य सुझाव दर्ज नहीं किए जा सकेंगे।

संपादकीय / लेख

जलवायु परिवर्तन की तपन...!

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

आज दुनिया में जलवायु परिवर्तन के बढ़ते, भयावह प्रभावों की बात करेंगे। हम नवम्बर में दीपावली पर्व मना रहे हैं, लेकिन हमारे गरम कपड़े अभी गायब हैं। देश के करीब 99 फीसदी हिस्से अधिक तापमान को झेल रहे हैं। राजधानी दिल्ली और आसपास के शहरों का अधिकतम तापमान अब भी 32-34 डिग्री सेल्सियस है। रात के न्यूनतम तापमान में कुछ ठंडक आई है, लेकिन पंखे अब भी चल रहे हैं। औसत तापमान सामान्य से अधिक है, लिहाजा सर्दी का एहसास भी गायब है। मौसम विज्ञानियों का आकलन है कि इस बार 15 दिसंबर तक वैसी सर्दी महसूस नहीं होगी, जिसके लिए दिल्ली और आसपास के क्षेत्र विख्यात हैं। बीती कई सदियों की सर्दी का आकलन किया गया है, तो 2023 को सबसे गरम वर्ष आंका जा रहा है। मौसम के इस बदलते रुख के मानवीय स्वास्थ्य, कृषिगत और अर्थव्यवस्था संबंधी नकारात्मक असर भी सामने आ रहे हैं, क्योंकि अनुकूलन का माहौल नहीं है और गरम कपड़ों का बाजार उदास, मूकदर्शक बना है। मौसम विज्ञानी मान रहे हैं कि संभव है कि आगामी मई-जून में जबरदस्त गर्मी के स्थान पर बारिश, बाढ़ और भूस्खलन के मौसम देखने और झेलने पड़ें! एक तरफ देश के करीब 91 फीसदी शहरों, कस्बों में प्रदूषण की जहरीली हवाएं चल रही हैं, वायु गुणवत्ता सूचकांक लगातार गंभीर श्रेणी में दर्ज किए जा रहे हैं, तो दूसरी तरफ प्रकृति बेहद नाराज है और सर्दियों में ठंडक ही गायब है। तमिलनाडु में भारी बारिश का प्रकोप है। राजधानी के कुछ हिस्सों में शुक्रवार की सुबह कुछ बूंदाबांदी हुई है।

यही तो जलवायु परिवर्तन के भयानक और नकारात्मक असर हैं- बेमौसमी सब कुछ। दुर्भाग्य और विडंबना है कि हम अब भी पर्यावरण के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। पृथ्वी का तापमान बढ़ता ही जा रहा है। यह कार्बन उत्सर्जन, विषैली गैसों और धुएं का ही असर है कि जिन यूरोपीय देशों में, घर-दफ्तरों में, पंखे ही नहीं होते थे और अधिकतर मौसम सर्द ही रहता था, वहां आजकल तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक है। वहां के लोग तालाबों, झरनों में नहा रहे हैं और घर-दफ्तरों में पंखे भी चलने शुरू हो गए हैं। इटली के वेनिस शहर की झीलों पर सूखने के संकट मंडरा रहे हैं। दुनिया भर से लोग इस खूबसूरत शहर में आते रहे हैं और झीलों में नौका-विहार का आनंद उठाते रहे हैं, लेकिन लगातार गर्मी इतनी बढ़ती जा रही है कि झीलों का पारदर्शी पानी भाप बनने लगा है। ये प्रत्यक्ष तौर पर जलवायु परिवर्तन के ही प्रभाव हैं। भारत में 90 फीसदी से अधिक कामगार और मजदूर खुले में ही काम करने को बाध्य हैं। यदि जलवायु परिवर्तन के कारण गर्मियां लगातार लंबी होती रहीं, तो इस तरह काम करना असंभव-सा होता जाएगा। जाहिर है कि कामगारों की औसत उत्पादकता और कार्य-शक्ति कम होती जाएगी। अंततः नुकसान देश का ही होगा। सर्वोच्च अदालत और उच्च न्यायालय के न्यायाधीश प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन को लेकर सरकारों को फटकार लगाते रहे हैं।

चेतावनियां भी जारी करते हैं, लेकिन हमारा राजनीतिक नेतृत्व बिल्कुल संवेदनहीन है। उसे भविष्य के खतरों से डर नहीं लगता। वह अपनी ही सत्ता और सियासत के नशे में चूर है। दुर्भाग्य यह भी है कि ये मुद्दे जन-सरोकार के आधार नहीं बनते। प्रदूषण और बदलते मौसम के भयावह खतरों पर आंदोलन तैयार नहीं किए जा सकते और न ही कोई चुनाव निश्चित किया जा सकता है। हमारे प्रधानमंत्री ने आज तक, कमोबेश इसी वर्ष के मौसम में, इन मुद्दों का कभी भी गंभीर उल्लेख नहीं किया। अंतरराष्ट्रीय स्तर के सम्मेलनों में जो लक्ष्य तय किए गए हैं, उन पर संबद्ध मंत्रालय कुछ काम कर रहे होंगे, क्योंकि उसी वैश्विक मंच पर जवाबदेही भी तय होनी है, लेकिन पृथ्वी का औसत तापमान कितना कम किया जा रहा है अथवा उस संदर्भ में कितने सक्रिय प्रयास किए जा रहे हैं, उनके कुछ उथले से जवाब तो होंगे। वैसे प्रकृति की करवटों को हम प्रत्यक्ष तौर पर झेल ही रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग की समस्या वैश्विक स्तर पर है।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

मायानगरी में पटाखों का शोर...

पिछले साल से अधिक ध्वनि प्रदूषण...

कानफोड़ू आवाज का स्तर 117 डेसिबल

मुंबई : दिवाली के मौके पर रोशनी और मिठाइयों के उल्लास के अलावा पटाखे जलाने की सनक भी हावी होती है। अदालतों के अंकुश के बावजूद अधिकांश शहरों में हजारों-लाखों रुपये के पटाखे जलाए जाते हैं। इनसे निकलने वाली आवाज कितनी विचलित करने वाली हो सकती है, इसका अंदाजा आवाज फाउंडेशन की रिपोर्ट से होता है। आवाज का कहना है कि मुंबई में दिवाली-2023 के दौरान अधिकतम शोर स्तर 117 डेसिबल दर्ज किया गया। ये स्तर पिछले साल 109 डेसिबल था।

जमकर फोड़े गए ''सीरियल'' और ''हवाई'' बम

खबर के मुताबिक मुंबई के कई हिस्सों में दिवाली समारोह के दौरान शोर का स्तर पिछले साल की तुलना में अधिक पाया गया। अदालत ने पटाखों पर अंकुश के लिए समय निर्धारित किया था, लेकिन कई इलाकों में रात 10 बजे की समय सीमा के बाद भी पटाखे फोड़े गए। ध्वनि प्रदूषण को लेकर जागरूकता फैलाने के साथ-साथ इस विषय पर विशेषज्ञता रखने वाले गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) ने सोमवार को कहा, रात 9:55 बजे दक्षिण मुंबई के मरीन ड्राइव पर डेसीबल का स्तर 82 और 117 के बीच चरम पर था, सैर के दौरान मौजमस्ती करने वालों की एक बड़ी भीड़ ने ''सीरियल'' और ''हवाई'' बम फोड़े।

गौरतलब है कि देशभर में रविवार को रोशनी और पटाखों के साथ पारंपरिक धूमधाम और उत्साह के साथ दिवाली मनाई गई। आवाज फाउंडेशन की संस्थापक सुमैरा अब्दुलाली ने बताया, पुलिस ने रात 10:10 बजे के बाद ही पटाखे फोड़ना बंद कराना शुरू कर दिया था। इस संबंध में निदेर्शों का पालन नहीं करने पर कुछ लोगों को हिरासत में भी लिया। आवाज फाउंडेशन के मुताबिक मरीन ड्राइव पर रात 9 बजे के बाद पटाखे फोड़ना बढ़ गया। शिवाजी पार्क में, शाम लगभग 7.45 बजे पटाखों का उपयोग देखा गया। कुछ दूर के पटाखों को छोड़कर, शिवाजी पार्क (दादर में) से मरीन ड्राइव तक सड़क पर कुछ पटाखों का उपयोग किया गया था।

आवासीय क्षेत्र शिवाजी पार्क में शोर का स्तर शाम 7.45 बजे 99 डेसिबल और रात 11.45 बजे 95 डेसिबल दर्ज किया गया। 2021 में दिवाली के दौरान, यहां उच्चतम शोर स्तर, 100.4 डेसिबल दर्ज किया गया था। एनजीओ आवाज की रिपोर्ट के मुताबिक इस साल, 2020 के बाद की अवधि की तुलना में कुल मिलाकर कम हवाई पटाखे फोड़े गए, लेकिन तेज आवाज वाले पटाखों के फटने से कई बिंदुओं पर डेसिबल का स्तर बढ़ गया।

मुंबई पुलिस ने पटाखों और वायु प्रदूषण पर बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेशों के उल्लंघन के लिए 806 लोगों के खिलाफ 784 मामले दर्ज किए हैं। इन 806 व्यक्तियों में से 734 व्यक्तियों के विरूद्ध दंडात्मक कार्यवाही की गई।

बता दें कि शुक्रवार को बॉम्बे हाई कोर्ट ने निर्देश दिया था कि महानगर और कई अन्य प्रमुख शहरों में बिगड़ती वायु गुणवत्ता के मद्देनजर राज्य में केवल रात 8 बजे से 10 बजे के बीच ही पटाखे फोड़े जा सकते हैं। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के अनुसार जहरीले रसायनों वाले किसी भी पटाखे के इस्तेमाल की अनुमति नहीं है।

स्टिकर लगाकर इजराइल के विरोध करनेवाले पर पुलिस की कार्रवाई

मुंबई : डोंगरी पुलिस ने इजरायल के खिलाफ स्टिकर लगाकर विरोध प्रदर्शन कर रहे दो लोगों पर एफआईआर दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। मुंबई पुलिस के ट्विटर हैंडल (एक्स) अकाउंट पर एक मैसेज टैग किया गया था, जिसमें इसराइल के पोस्टर लगाकर विरोध जताया जा रहा था। जिसकी जानकारी मिलने के बाद डोंगरी पुलिस थाने के मिल स्पेशल ने मौके पर पहुंचकर स्टीकर की जांच की और फिर मामले में मिल स्पेशल की शिकायत पर एक एफआईआर दर्ज किया गया। जिसकी जांच करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मुंबई पुलिस के ट्विटर हैंडल अकाउंट पर dojm@sftryl नामक शख्स ने अंग्रेजी में ट्वीट किया कि डोंगरी की सड़कों पर एक स्टीकर लगाया गया है, जिसमें लोग इजरायल के झंडे पर जूते लगे हुए स्टिकर लगाकर प्रोटेस्ट कर रहे हैं। इसकी शिकायत मिलने के बाद मिल स्पेशल निशान पाड़ा इलाके में पहुंचे, जहां उन्होंने पाया कि इजरायल के झंडे पर जूते लगे हुए स्टिकर चिपकाए गए हैं। ऐसे कुल तेरह स्टीकर पुलिस ने बरामद किए, जिसे नष्ट कर दिया गया है। इसके बाद मामले की जांच डिटेक्शन द्वारा शुरू की गई।

सीसीटीवी से हुई स्टिकर लगानेवालों की पहचान

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक स्टीकर लगाने वाले की जांच करने के लिए इलाके में लगे सीसीटीवी (३५) कैमरा की मदद ली गई। इसके बाद पुलिस ने स्टीकर लगाने वाले दो लोगों की पहचान की और फिर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों का नाम मोहम्मद इमरान सुफियान अंसारी (38) और जावेद इम्तियाज दंडोति (35) है। फिलहाल इसराइल और फलस्तीन देश में युद्ध जारी है, जिसे देखते हुए कानून और सुरक्षा का प्रश्न निर्माण न हो इस वजह से यह कार्रवाई किए जाने की जानकारी पुलिस द्वारा दी गई है।

मंदिर में पूजा रोकी, भक्तों और पुजारी को लात-घूंसों से पीटा... महाराष्ट्र में 2 पक्षों में बवाल

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के अहिल्याबाई होलकर नगर (अहमदनगर) जिले के गुहा गांव में मुस्लिम समाज द्वारा भक्तों और पुजारी की पिटाई का मामला सामने आया है. गांव में कानिफनाथ भगवान का मंदिर है, जहां पर बीते 9 नवंबर को हिंदू पक्ष पूजा कर रहा था. आरोप है कि इसी समय मुस्लिम समाज के लोगों ने मंदिर में पूजा कर रहे भक्तों और पुजारी पर हमला कर दिया. साथ ही लात-घूंसों से जमकर पिटाई की. अब इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. वायरल वीडियो को संज्ञान में लेकर पुलिस घटना की की जांच पड़ताल में जुटी है.

दरअसल, गुहा गांव अहिल्याबाई होलकर नगर जिले की राहुरी तहसील के अंतर्गत आता है. गुहा गांव में कानिफनाथ भगवान के मंदिर की जगह को लेकर हिंदू समाज और मुस्लिम समाज में लंबे समय से विवाद चल रहा है. मामला कलेक्टर की कोर्ट में लंबित है. साथ ही इसी जमीन को लेकर एक मामला दिवानी न्यायालय में भी चल रहा है. हिंदू पक्ष लगातार पूजा आरती की मांग को लेकर तहसील से लेकर कलेक्टर की कोर्ट तक आवेदन देता आ रहा था.

इसी बीच तहसीलदार ने हिंदू पक्ष को मंदिर में पूजा करने की इजाजत दे दी. इजाजत मिलने के बाद हिंदू पक्ष मंदिर की साफ-सफाई कर पूजा-पाठ करने की तैयारी करने लगा. आरोप है बीते गुरुवार यानि 9 नवंबर को जब हिंदू पक्ष के लोग पूजा करने मंदिर गए तो इसी दरम्यान दूसरे पक्ष ने हमला बोल दिया, जिसमें कई लोग घायल हो. आरोप है कि दूसरे पक्ष ने मंदिर में पूजा कर रहे भक्तों और पुजारी को लात-घूंसों से मारा.

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर हुआ वायरल

अब इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें दिखाई दे रहा है कि पुजारी और भक्तों को किस तरह से पीटा जा रहा है. वहीं अब तक मामले में कोई कार्रवाई पुलिस की तरफ से नहीं की गई है. हिंदू पक्ष के लोगों का आरोप है कि वायरल वीडियो देखने के बाद भी पुलिस मूकदर्शक बनी हुई है.

महाराष्ट्र में अगले 24 घंटे कैसा रहेगा मौसम का हाल...

बारिश को लेकर क्या है IMD की भविष्यवाणी?

महाराष्ट्र : पिछले कुछ दिनों से महाराष्ट्र के कई जिलों में बेमौसम बारिश हो रही है. मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों में राज्य में बारिश की संभावना जताई है. देश के साथ-साथ प्रदेश में भी बेमौसम बारिश का कहर देखने को मिल रहा है. अरब सागर में कम दबाव का क्षेत्र बनने से राज्य में बादल छाए हुए हैं और देश के कई हिस्सों में गरज के साथ बारिश की स्थिति देखी जा रही है. आईएमडी ने प्रदेश समेत देश के विभिन्न स्थानों पर बारिश की संभावना जताई है. मौसम विभाग ने कहा है कि राज्य में सर्दी पड़नी शुरू हो गई है और नवंबर के अंत में ठंड का जोर बढ़ेगा.

हो सकती है बेमौसम बारिश

महाराष्ट्र में पिछले कुछ दिनों से बेमौसम बारिश हो रही है. मौसम विभाग की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक आज बारिश की संभावना जताई गई है. अगले 24 घंटों में राज्य के विभिन्न स्थानों पर बारिश का अनुमान लगाया गया है. मौसम विभाग ने आज कोंकण और मध्य महाराष्ट्र में बारिश की संभावना जताई है. रत्नागिरी, कोल्हापुर, सतारा और सिंधुदुर्ग जिलों में आज बेमौसम बारिश होगी. इस बीच, मुंबई, पुणे , सतारा और कोंकण के तटीय इलाकों समेत कुछ जगहों पर रविवार को छिटपुट बारिश हुई. कुछ इलाकों में बादल छाये रहे. हालांकि दोपहर में धूप खिली रही.

बारिश में बढ़ा दी ठंड

भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक, देश के कुछ हिस्सों में बारिश और आंधी की संभावना है. पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में बर्फबारी हुई है. इससे देश के कई राज्यों में ठंड का प्रकोप बढ़ गया है. दिल्ली में भी तापमान गिरने लगा है और ठंड बढ़ गई है. दिवाली के बाद एक बार फिर प्रदूषण बढ़ गया है.

पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी

बर्फबारी के बाद पहाड़ी इलाकों में तापमान में काफी गिरावट आई है. सुबह-शाम लोग आग से बचाव करते नजर आ रहे हैं. ठंड बढ़ने से हमें गर्म कपड़ों और अंगीठी पर निर्भर रहना पड़ रहा है. मौसम विभाग की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, आज कुछ मैदानी इलाकों में बारिश होने की संभावना है, जबकि पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी का भी अनुमान है. हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों में भारी बर्फबारी हुई है, जिसके बाद पूरे इलाके में कड़ाके की ठंड पड़ रही है. आसपास का इलाका शीतलहर की चपेट में आ गया है. इसके चलते उत्तर-पश्चिम क्षेत्र में तापमान तेजी से गिरा है.

... तो कहां होंगे वसई-विरार में पोस्टमॉर्टम

जिला परिषद बंद कर रहा है अपने केंद्र, मनपा के पास खुद का केंद्र नहीं

विरार : वसई-विरार में मनपा का एक भी पोस्टमॉर्टम केंद्र नहीं है। यहां जो पोस्टमॉर्टम केंद्र हैं. वे जिला परिषद के हैं। अब जिला परिषद अपने सारे पोस्टमॉटम केंद्र दिसंबर 2023 में बंद कर उन्हें प्राथमिक उपचार केंद्र बनाने जा रहा है। इसके लिए जिला परिषद ने मनपा को पत्र दिया है। जिला परिषद के अधिकारियों का कहना है कि वसई-विरार की स्थापना हुए 14 साल हो चुके हैं। इन 14 साल में मनपा ने अपना एक भी स्वतंत्र पोस्टमॉर्टम केंद्र नहीं बनाया है। इतनी बड़ी आबादी वाले वसई-विरार की जनता जिला परिषद के पोस्टमॉर्टम केंद्रों पर ही निर्भर है। बजट के अभाव के कारण जिला परिषद ने यह कदम उठाया है। अब सवाल यह उठता है कि अगर जिला परिषद अपने सारे पोस्टमॉर्टम केंद्र बंद कर देता है, तो वसई-विरार के मृतकों का पोस्टमॉर्टम कहां होगा। बता दें कि वसई-विरार में सरकारी अस्पतालों में आने वाले मरीजों का स्वास्थ्य भगवान भरोसे चल रहा है। डॉक्टरों और उपकरणों की कमी की वजह से मरीजों को प्राइवेट अस्पतालों में रुख करना पड़ता है। इस तरह की खबरें अक्सर आती रहती हैं। यहां के नागरिकों को जीते जी सरकारी सुविधाएं मिलना तो दूर, मरने के बाद भी चैन नहीं है। यहां जिला परिषद के पांच पोस्टमॉर्टम केंद्र विरार आगाशी, कामन, नवघर, नालासोपारा और विरार में हैं। वजट के अभाव में अब इन पांचों केंद्रों में परमानेंट डॉक्टर, स्टाफ, सर्जन और नर्स नहीं होते हैं। इन केंद्रों में बाहर के व्यक्ति से पोस्टमॉर्टम कराया जाता है। यह सिलसिला पिछले 14 साल से चल रहा है। जिले के सांसद राजेंद्र गवित और विधायक क्षितिज ठाकुर ने राज्य सरकार से इन केंद्रों को मनपा में समाहित करने की कई बार मांग की, लेकिन जिला परिषद इन केंद्रों को चला रहा है। मनपा को अब तक अपना खुद का पोस्टमॉर्टम केंद्र तैयार कर देना चाहिए था, लेकिन मनपा के चिकित्सा अधिकारी इस गंभीर समस्या पर ध्यान नहीं देते हैं। यहां हर महीने डेढ़ सौ से अधिक लोगों का पोस्टमॉर्टम किया जाता है।

मनपा को खुद का पोस्टमॉर्टम केंद्र खोलना चाहिए। पोस्टमॉर्टम के लिए पुलिस से लेकर आम नागरिकों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। लोगों का कहना है कि दिसंबर में अगर जिला परिषद पोस्टमॉर्टम केंद्र वंदकर देगा, तो दिक्कत हो सती है। इस संबंध में जव मनपा की मुख्य चिकित्सा अधिकारी भक्ति चौधरी से संपर्क किया, तो उन्होंने फोन नहीं उठाया।

एसोसिएट हाई प्रेशर का चेयरमैन गिरफ्तार... बैंक से 149 करोड़ की धोखाधड़ी का आरोप

मुंबई : एक बैंक से तकरीबन 150 करोड़ की धोखाधड़ी मामले में ईडी ने कंपनी के मालिक को गिरफ्तार किया है. ईडी के अनुसार एजेंसी ने एसोसिएट हाई प्रेशर टेक्नोलॉजीज और उसके निदेशकों और शेयरधारकों के खिलाफ सीबीआई में दर्ज शिकायत की वो जांच कर रही है. भारतीय दंड संहिता और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत सीबीआई ने शिकायत दर्ज की थी, जिसके एफआईआर के आधार पर ईडी ने जांच शुरू की है. ईडी ने एएचपीटीपीएल के अध्यक्ष मनोहरलाल सतरामदास अगिचा को कथित तौर पर धोखाधड़ी करने और एक बैंक को 149.89 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के आरोप में गिरफ्तार किया है. एजेंसी ने दावा किया है कि मनोहर लाल कुछ समय से फरार था. वह बार-बार अपना स्थान, फोन और सिम कार्ड बदल रहा था.

भायंदर पूर्व में कचरे के ढेर में लगी आग... स्वच्छता मुहिम की खुली पोल

भायंदर : भायंदर पूर्व के गोडदेव नाका पर स्थित एक खाली पड़े भूखंड में जमा कचरे की ढेर में शनिवार की रात को आग लग गई थी. हालांकि आग को फैलने से रोकने में अग्निशमन दल के कर्मचारी सफल रहे और कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ, लेकिन यहां आग लगने से मनपा के स्वच्छता मुहिम की पोल जरूर खुल गई है. मीरा-भायंदर मनपा आयुक्त प्रशासक संजय श्रीपतराव काटकर के मार्गदर्शन में बड़े जोर-शोर से स्वच्छता मुहिम की शुरूआत की गई थी. खुद आयुक्त ने भी यह माना था कि खुले पड़े भूखंडों पर सर्वाधिक कचरे के ढेर लगे हैं. उसके साफ-सफाई पर भी उन्होंने जोर दिया था, लेकिन शनिवार को गोडदेव नाका के पास की भूखंड पर भंगार की दुकान के नाम जमा किए गए कचरे के ढेर में लगी आग ने सफाई की पोल खोल दी है. बता दें कि भायंदर पूर्व में गोडदेव नाका के पास एक विवादित भूखंड है.

इस भूखंड के मालिकाना हक का विवाद चल रहा है. कई लोगों ने भूखंड के अलग- अलग हिस्से पर कब्जा जमा रखा है, जहां केमिकल युक्त प्लास्टिक के बड़े-बड़े ड्रम, थैली और अन्य अनुपयोगी कचरा जमा करके रखा है. इस भूखंड के एक तरफ मंतोरा और पद्मजा अस्पताल स्थित है तो दो तरफ से रिहायशी इमारत हैं. इन इमारतों में रहने वाले लोग इस गंदगी और उससे निकलने वाली बदबू से परेशान हैं. मलेरिया, डेंगू जैसी बीमारियां फैलने की आशंका व्यक्त की जा रही, लेकिन स्वच्छता मुहिम की नजर यहां नहीं पड़ी. इस पर स्थानीय नागरिकों द्वारा आश्चर्य व्यक्त की जा रही. मीरा-भायंदर शहर में पटाखे की दुकानें भी आगजनी को न्योता देते दिखाई दे रही है. पटाखे बिक्री के लाइसेंस देने में अग्निशमन विभाग ने नियमों की अनदेखी की है. ऐसे आरोप लगाए जा रहे हैं. मनपा आयुक्त काटकर ने सिर्फ खुले मैदानों या रिहायशी परिसर से अलग के वाणिज्यिक दुकानों में ही पटाखे बिक्री के लाइसेंस देने का आदेश निर्गत किया था, लेकिन शहर के भीड़भाड़ वाले परिसर में भी सड़कों पर खुलेआम पटाखे की दुकानें सजी हुई दिखाई दे रही है.

युवक ने भाई लगाया गोदाम में आग लगाने का आरोप

पालघर : पालघर जिले में एक व्यक्ति ने अपने भाई पर पटाखा जलाकर कबाड़ के उसके गोदाम में आग लगाने का आरोप लगाया है और उसकी शिकायत पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। शिकायतकर्ता राकेश ने पुलिस को बताया कि उसने इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे की तस्वीर देखी, जिसमें दिखाई दे रहा है कि उसके छोटे भाई राजेश के पटाखा जलाने के बाद चिंगारी उड़कर पास के गोदाम में चली गई। चिंगारी से गोदाम में आग लग गई जिससे अंदर रखा सामान जल गया। अधिकारी ने बताया कि राकेश की शिकायत के आधार पर पुलिस ने शनिवार को राजेश के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 285 और 427 (नुकसान पहुंचाने वाली (शरारत) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

महाराष्ट्र में दिवाली की धूमधाम के बीच कई शहरों में लगी आग...

मुंबई : देशभर में जहां दिवाली बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाई जा रही है, वहीं लक्ष्मी पूजा के दिन छत्रपति संभाजी नगर में आग लगने की अलग-अलग घटनाओं से काफी नुकसान हुआ है. सौभाग्य से, इन घटनाओं में कोई भी घायल नहीं हुआ. उधर, अग्निकांड में 15 लाख का नुकसान हुआ है. इसलिए, कुछ आग की कॉल्स के बाद, यह देखा गया कि फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और आग पर काबू पा लिया गया.

छत्रपति संभाजीनगर में लगी आग

लक्ष्मी पूजा के दिन, रात 10 बजे के आसपास छत्रपति संभाजीनगर शहर में विभिन्न स्थानों पर आग लगने की दस घटनाएं हुईं . ये सभी आग की घटनाएं छोटी हैं और सौभाग्य से एक बड़ा नुकसान होने से बच गया क्योंकि नागरिकों ने उचित सावधानी बरती और अग्निशमन विभाग को इसके बारे में सूचित किया. कुर्ला के नेहरू नगर में अभ्युदय बैंक की इमारत में आग लगी. दमकल की गाड़ियां मौके पर मौजूद है, अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है.

महाराष्ट्र के ठाणे जिले के भिवंडी शहर में आग लगने से चार दुकानें जलकर खाक हो गईं. एक स्थानीय अधिकारी ने सोमवार को यह जानकार दी. भिवंडी-निजामपुर नगर निगम के आयुक्त अजय वैद्य ने बताया कि रविवार और सोमवार की दरमियानी रात में हुई इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है. उन्होंने बताया कि आग तीन बत्ती इलाके में स्थित खरीदारी परिसर (शॉपिंग कॉम्प्लेक्स) की एक दुकान में लगी और अन्य प्रतिष्ठानों तक फैल गई. अधिकारी ने बताया कि चार दुकानें पूरी तरह से नष्ट हो गईं, जिनमें से एक दुकान स्कूल बैग की थी और अन्य कपड़ों की थीं.

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : मंगलवार 14 नवंबर 2023

ट्रैफिक पुलिसकर्मी नदारद... ट्रैफिक जाम से परेशान होते रहते हैं लोग

शहर की सड़कों पर 20 मिनट की दूरी तय करने में लगते हैं 2 घंटे, वसई-विरार की सड़कों पर ट्रैफिक की स्थिति दयनीय है।

वसई : वसई-विरार में आए दिन ट्रैफिक जाम से सड़क पर चलने वाले आम लोग जूझने को मजबूर हैं। इसमें आम लोगों के अलावा, स्कूली छात्र, मरीज, सीनियर सिटिजन और दिव्यांग को भारी परेशानियों में डाल दिया है। लोगों का आरोप है कि ट्रैफिक पुलिस जाम के समय नदारद रहती है, जिसकी वजह से लोग उल्टी दिशा में वाहनों को ले जाकर जाम कर देते हैं। वसई-विरार की संकरी और अतिक्रमण से भरी सड़कों पर इन दिनों ऐसा जाम लग रहा है कि वाहन चलाना तो क्या, पैदल चलने वाले भी परेशान हैं। यहां की सभी मुख्य सड़कों से लेकर गली, चौक-चौराहे पर जाम ही जाम है। दिवाली की खरीदी करने वालों की सड़कों पर भारी भीड़ नजर आ रही है, जिसकी वजह से सड़कों पर सुबह से ही लंबा जाम लग जाता है। इस दौरान, ट्रैफिक पुलिस भी नजर नहीं आती है। लोगों का कहना है कि भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों

में पुलिस के जवान रहने चाहिए। भीड़ की वजह से वाहन चालकों को 20 मिनट की दूरी तय करने में दो घंटे लग जाते हैं। ट्रैफिक विभाग के सीनियर पीआई सागर इंगोले ने कहा कि दिवाली का सामान बेचने वालों की वजह से भारी जाम लग रहा है। कुछ पुलिसकर्मियों के छुट्टी पर चले जाने से थोड़ी दिक्कतें आ रही हैं। दिवाली के बाद ट्रैफिक फिर से सामान्य हो जाएगा।

मुंबई में धुएं में उड़ा सरकार और HC का आदेश

लोगों ने जमकर फोड़े पटाखे ... अब सांस लेना हुआ मुश्किल !

मुंबई : दिवाली समारोह के बाद वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 'खराब' श्रेणी में आने से मुंबई में धुंध की परत छा गई. सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी एंड वेदर फोरकास्टिंग एंड रिसर्च के अनुसार, शहर का समग्र अदक 234 दर्ज किया गया जो 'खराब' श्रेणी में आता है. SAFAR-Ifdi के अनुसार, बोरीवली क्षेत्र की वायु गुणवत्ता 307 रही जबकि कालानगर

की 312 दर्ज की गई. चेंबूर में अदक 334 दर्ज की गई और वर्ली क्षेत्र की वायु गुणवत्ता 134 दर्ज की गई. यह दिवाली की रात लोगों द्वारा भारी आतिशबाजी करने के बाद आया है. शिवाजी पार्क के दृश्यों में बड़ी संख्या में मौज-मस्ती कर रहे लोगों को पटाखे जलाते हुए देखा गया. इस सप्ताह की शुरूआत में, शहर का समग्र अदक 'मध्यम' श्रेणी के अंतर्गत 149 था.

कैसा है मुंबई का अदक?

वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) लोगों को वायु गुणवत्ता की स्थिति के संदर्भ में प्रभावी संचार के लिए एक उपकरण है, जिसे समझना आसान है. यह विभिन्न प्रदूषकों के जटिल वायु गुणवत्ता डेटा को एक एकल संख्या (सूचकांक मान), नामकरण और रंग में बदल देता है. 0 से 100 तक अदक को अच्छा माना जाता है, जबकि 100 से 200 तक मध्यम, 200 से 300 तक खराब, 300 से 400 तक बहुत खराब और 400 से 500 या इससे ऊपर को अदक गंभीर माना जाता है. शहर में बिगड़ती वायु गुणवत्ता के मद्देनजर, मुंबई हाई कोर्ट ने देश की वाणिज्यिक राजधानी में पटाखे फोड़ने के लिए समय तय कर दिया था.

हाई कोर्ट ने दिए थे ये आदेश

बॉम्बे हाई कोर्ट ने पहले महाराष्ट्र सरकार और मुंबई और आसपास के क्षेत्रों में नगर निगम अधिकारियों को बिगड़ते वायु प्रदूषण को कम करने के लिए तत्काल कदम उठाने के लिए अंतरिम निर्देश पारित किए थे. इस बीच, राष्ट्रीय राजधानी भी दिवाली समारोह के बाद उच्च प्रदूषण स्तर से जूझ रही है. दिल्ली के विभिन्न हिस्सों के दृश्यों में सड़कों पर घनी धुंध छाई हुई दिखाई दे रही है, जिससे दृश्यता काफी कम हो गई है और कुछ सौ मीटर से आगे देखना मुश्किल हो गया है.

मुंबई : ट्रक में मिला चालक का शव, पुलिस को हृदयघात से मौत होने का संदेह

मुंबई : महाराष्ट्र में मुंबई के कांदिवली में रविवार सुबह एक ट्रक में उसके चालक का शव क्षत-विक्षत हालत में मिला। चालक का शव ट्रक के स्टीयरिंग पर पाया गया। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि मृतक की पहचान 56 वर्षीय निवृत्ति चव्हाण के रूप में

हुई है और संभवतः उनकी मौत दिल का दौरा पड़ने से हुई है।

उन्होंने कहा, ''शरीर पर चोट के कोई निशान नहीं हैं। ट्रक से दुर्गंध आने के बाद लोगों ने पुलिस को सूचित किया। ट्रक में मिले दस्तावेजों के आधार पर मृतक चालक की पहचान की गई।'' कांदिवली पुलिस स्टेशन के अधिकारी ने कहा कि दुर्घटनावश मौत होने की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

निवेशकों को 2.3 लाख करोड़ का मुनाफा

मुंबई : दिवाली मुहूर्त ट्रेडिंग के मौके पर शेयर बाजार में जबरदस्त उछाल आया। प्री-ओपन मार्केट में सेंसेक्स 500 अंक के पार पहुंच गया तो निफ्टी में भी रौनक देखने को मिली। सेंसेक्स और निफ्टी की तेजी मार्केट ओपन होने के बाद भी बरकरार रही। मुहूर्त सत्र में ट्रेडिंग के दौरान सेंसेक्स 65,418.98 अंक पर पहुंच गया। कारोबार के अंत सेंसेक्स 355 अंक यानी 0.55% की तेजी के साथ 65,260 अंक पर ठहरा। बता दें कि सेंसेक्स ने 5 साल में दूसरी सबसे अच्छी मुहूर्त ट्रेडिंग बढ़त हासिल की। वहीं, 15 साल की अवधि में यह तीसरी बार है जब सेंसेक्स ने इतनी बड़ी बढ़त दर्ज की है। इस दौरान निवेशकों ने 2.3 लाख करोड़ रुपए बनाए।

एक बार फिर बिगड़ी मीरा-भाईंदर की हवा, चिंताजनक स्तर पर एक्यूआई

मीरा-भाईंदर : दिवाली के पटाखों के साथ ही मीरा- भाईंदर में वायु प्रदूषण का प्रमाण भी चिंताजनक स्तर के पार हो गया। सप्ताह के शुरूआती दिनों में जहां एयर क्वालिटी इंडेक्स (अदक) 200 के पार चला गया था, वहीं विन मौसम बरसात और एमबीएमसी के प्रयासों से शुक्रवार तक यह 80 के नीचे आ गया था। लेकिन, रविवार को एक बार फिर 225 के पार हो गया, जो 'चिंताजनक' है। दिसंबर के पहले सप्ताह में अदकका स्तर 200 के करीब था। अदकमें 200 का स्तर चिंताजनक होता है। प्रदूषण को लेकर मुंबई उच्च न्यायालय की सख्ती के बाद मीरा-भाईंदर मनपा थोड़ी हरकत में आई, जिसके सकारात्मक परिणाम भी देखने को मिले। 2 दिन में 3 गुना बढ़ गया प्रदूषण शनिवार और रविवार को प्रदूषण के प्रमाण में जबरदस्त वृद्धि देखने को मिली। शनिवार और रविवार को अदक 3 गुना तक बढ़ गया। दिवाली के मद्देनजर पटाखों का इसमें अहम योगदान है। रविवार को यह आंकड़ा 237 तक पहुंच गया।

देशभर के प्रमुख शहरों की हवा की गुणवत्ता की जांच के लिए प्रदूषण बोर्ड ने एयर क्वालिटी मेंटेनेंस मशीन लगाई है। इन मशीन से हवा की गुणवत्ता जांची जाती है। मीरा-भाईंदर में ऐसी ही एक मशीन भाईंदर (पश्चिम) के सुभाषचंद्र बोस मैदान में लगाई गई है, जहां से हर 24 घंटे में जानकारी मिलती है। जेसल पार्क चौपाटी कल्याण समिति ने भाईंदर (पूर्व) में चौपाटी पर एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग स्टेशन लगाने की मांग महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के ठाणे मंडल से की है। इस बारे में संस्था में प्रादेशिक अधिकारी आनंद कटोले को एक पत्र भी लिखा गया है।

सिडको आवास योजना में मकानों की कीमतें होंगी कम...

नवी मुंबई : नवी मुंबई सिडको के माध्यम से खारकोपर और बामन डोंगरी रेलवे स्टेशनों के पास निर्मित घरों की कीमतें कम करने का निर्णय लिया है। इस संबंध में एक प्रस्ताव तैयार कर अंतिम मंजूरी के लिए मुख्यमंत्री कार्यालय को भेजा गया है। दिवाली के मौके पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे इस प्रस्ताव पर सकारात्मक निर्णय लेंगे इस तरफ सिडको सहित इस परियोजना के

ग्राहकों की नजर लगी हुई है।

पिछले साल दिवाली के मौके पर सिडको ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत खारकोपर और बामन डोंगरी रेलवे स्टेशनों के आसपास आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए 7849 घरों की योजना की घोषणा की थी। इस योजना के लिए कंप्यूटरीकृत ड्रा फरवरी 2023 में आयोजित किया गया था। लेकिन एक साल बाद भी सफल आवेदकों को अभी तक आवास आवंटन पत्र नहीं दिया गया है। इससे आवेदकों में असमंजस का माहौल बना हुआ है। आवेदकों ने शिकायत की है कि उल्वे में इन सिडको घरों की कीमत अधिक है। प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए वार्षिक आय सीमा तीन लाख है।

11 साल पहले हुए डकैती के मामले में चार लोग बरी

ठाणे : जिले की एक विशेष अदालत ने वर्ष 2012 में एक कॉलेज में डकैती के लिए महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत आरोपी बनाए गए चार लोगों को बरी कर दिया है। मकोका अदालत के विशेष न्यायाधीश अमित एम शेटे ने कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपियों के खिलाफ आरोप साबित करने में विफल रहा है, ऐसे में उन्हें संदेह का लाभ दिया जाना चाहिए

और बरी किया जाना चाहिए। कथित आरोपियों की उम्र 33 से 50 वर्ष है और वे ठाणे के उल्हासनगर क्षेत्र एवं पड़ोसी पालघर जिले के नाला सोपारा के निवासी हैं। सुनवाई की अवधि के दौरान एक अन्य आरोपी की मौत हो चुकी थी, ऐसे में उसके खिलाफ मुकदमा निरस्त कर दिया गया। विशेष लोक अभियोजक संजय मोरे ने अदालत को बताया कि 18 जुलाई 2012 को आरोपियों ने भिवंडी इलाके में एक कॉलेज के कार्यालय में घुसकर चौकीदारों पर हमला करके उन्हें बांध दिया और फिर डकैती की घटना को अंजाम दिया।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : शॉप नंबर ४ , मदीना मेंशन, ८१ ए, कैडल रोड, अपोजिट बिल्लाबोंग स्कूल, माहिम पश्चिम, मुंबई ४०००१६ , महाराष्ट्र मोबाइल नं 998777 5650 व्हाट्सप्प नं 7977408589: Email-editor@rokthoklekhaninews.com